3. अनुमानित दवाई व बीमा व्यय = 1000 / -

योग (1+2+3) = 27844 / -

योग = (अ+ब) स्थिर एवं अस्थिर व्यय का योग

6260 + 27844 = 34104 / -

(1) **दूध बिक्री से वार्षिक आय -**

16 लीटर दर रू. 12 / - प्रति किलो X 300 दिन अर्थात् 16 X 1

= 57,600 / -

16 लीटर दर रू. 20 / - प्रति किलो X 300 दिन अर्थात्

16 X 20 X 300 = 96,600 / -

(2) **विविध आय**

गोबर, गनीबैग, बछिया एवं बछड़ों से अनुमानित आय रू. 3000 / -

(3) **कुल आय का योग =60,600 / -**

दुग्ध उत्पादन से वार्षिक शुद्ध आय = (60,600 - 34104)

= 26496 / - **अथवा रू. 26,000 / -**

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि एक अपग्रेडेड मुर्रा भैंस तथा एक साहीवाल, जर्सी अथवा अन्य संकर गाय को पालकर दो पशुओं से एक ग्रामीण नवयुवक आसानी से 25 हजार रूपये की शुद्ध आय प्राप्त कर सकता है और साथ ही अतिरिक्त समय कृषि कार्यो में भी लगाते हुए कृषि से भी आय प्राप्त कर सकता है। पांच श्रेष्ठ नस्ल के दुधारू पशु पालने की स्थिति में एक बेराजगार शिक्षित नवयुवक दुग्ध उत्पादन व्यवसाय से लगभग रू0 65,000 / - प्रतिवर्ष की आमदनी कर सकता है, जो कि उसके ग्रामीण स्तर के जीवनयापन में काफी योगदान करेगी।

आलेख

डा. शिवानी कटोच डा. दिवेश ठाकुर एवं डा. आलोक शर्मा

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय

चौ. स. कु. हि. प्र. कृषि विश्वविद्यालय

प्रसार पत्रक क्रमांक - 2

ग्रामीण परिवेश में दूध एवं दुग्ध जन्य पदार्थो की बिक्री से आमदनी

NAIP

सौजन्य से

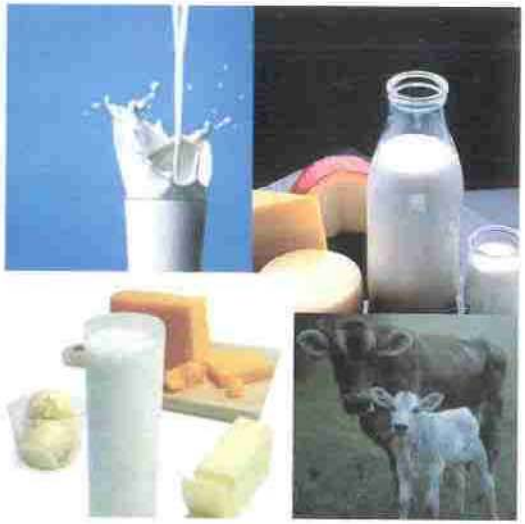

National Agricultural Innovation Project on Biodiversity

जैव विविधता

राष्ट्रीय कृषि नवाचार परियोजना

पशु चिकित्सा एवं पशुपालन प्रसार शिक्षा विभाग

पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान महाविद्यालय

हि. प्र. कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर 176 062

ग्रामीण क्षेत्र का कोई शिक्षित नवयुवक अकेले अथवा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से गाँव में ही दूध खरीदकर तरल दूध के रूप में अथवा पनीर, घी, खोआ आदि बनाकर स्थानीय बिक्री कर सकते हैं। इस व्यवसाय से उनको कितना लाभ होगा, का उल्लेख इस अध्याय में किया गया है, जो कि निम्न प्रकार है: -

आय के स्त्रोत

1. **तरल दूध की बिक्री से आय–** तरल दूध की बिक्री में कोई विशेष समस्या नहीं है। घरेलू उपयोग के अलावा स्थानीय हलवाइयों, होटल तथा चाय बेचने वालों को भी दूध की काफी जरूरत पड़ती है। अगर दूध की खपत पूरी मात्रा में न हो पाए तो अपने जनपदीय दूध उत्पादक सहकारी संघ के अधीन कार्यरत प्राथमिक सहयोग दुग्ध समिति के माध्यम से भी दूध बेच सकते हैं। यदि यह सुविधा आपके क्षेत्र में उपलब्ध न हो तो दूध का खोआ, पनीर तथा घी तैयार करके उसे बेच कर तरल दूध से ज्यादा आमदनी कर सकते हैं। यद्यपि ऐसा करने से इनकी बिक्री करने में आपको थोड़ी मेहनत तथा बुद्धि का प्रयोग करना आवश्यक होगा।

2. **पनीर से आमदनी–** दूध से पनीर बनाने पर 100 किलो दूध में लगभग 22 किलो पनीर बनता है। एक हिसाब से देखें तो कम से कम 12 रूपये प्रति किलो दूध बेचने पर 1200 रूपये मिलते है जबकि 22 किलो पनीर का दाम प्रति किलो 120 की दर से 2640/-रूपये होते हैं। इसे बनाने की लागत लगभग 500/- रूपये से अधिक नहीं होगी, यानि पनीर से 940/- रूपये की आमदनी हो सकती है।

3. **खोआ से आमदनी–** 100 किलो दूध से 20 किलो खोआ बनता है। खोआ का बाजार मूल्य कम से कम 100 रूपये प्रति किलो है। इस तरह 20 किलो खोआ से 2000/- रूपये की आमदनी होगी। इसे बनाने और पैकिंग पर लगभग 500/- रूपये ही खर्च होंगे। इस तरह देखा जाए तो दूध के मुकाबले खोआ से लगभग 300/- रूपये अधिक का लाभ होगा।

4. **घी बनाने से आमदनी–** 100 किलो दूध से लगभग 7 किलो तक घी मिलता है। इसका बाजार मूल्य प्रति किलो 150/- रूपये के हिसाब से लगभग 1050/- रूपये हैं। दूध से निकाले गये क्रीम को कड़ाही में उबालने पर घी निकल आता है। क्रीम निकाला हुए दूध को मखनिया दूध भी कहते हैं। यह दूध हृदय के रोगियों के लिए बहुत उपयोगी होता है। इसके अलावा चाय की दुकान और हलवाई की दुकान में भी इसकी माँग होती है। यह दूध 7 रूपये प्रति लीटर की दर से आसानी से बिक जाता है। 100 कि.ग्रा. दूधा 80 कि.ग्रा मखनिया दूध बचता है। इसके 7 रूपये प्रति किलो बेचने से 560/- रूपये आमदनी हो सकती है। इस तरह दूध और घी मिलाकर 1050+560 कुल रूपये 1610 की आमदनी हो जाती है। जबकि घी बनाने पर लगभग 150 रूपये का खर्च आता है। कुल मिलाकर दूध की तुलना में घी से करीब 410 रूपये की ज्यादा आमदनी हो सकती है।

पशुओं पर दुग्ध उत्पादन लागत एवं आय का अनुमान

उन्नत नस्ल की एक संकर या साहीवाल अथवा जर्सी संकर गाय तथा एक उन्नत मुर्रा भैंस के ग्रामीण स्तर पर पालने से निम्न प्रकार लागत (व्यय) एवं आय अनुमानित है -

अ) स्थिर व्यय (फिक्स एक्सपेंडीचर)

1. एक गाय व एक भैंस का औसत मूल्य रू. 15000 X2 = 30,000/-
2. वार्षिक अवमूल्यन रू. 30,000 - 4000 = 3710/-
7 ¼5 ब्यॉतकाल की अवधि ½
3. पूँजी पर ब्याज रू. 30,000 X 8.5% = 2550

योग ¼2 + 3½ = 6260/-

(ब) गैर आवर्ती व्यय (वेरियेबल एक्सपेन्डीचर)

1). दो पशुओं के लिए हरा व सूखा चारा (50 कि.ग्रा. प्रतिदिन)
उक्त चारे का मूल्य एक रू. प्रति कि.ग्रा. 50 X 1 X 365 = 17,250/-

2) तीन कि.ग्रा. दूध पर 1 कि.ग्रा. दाना 16 रू. 3 = 5.33 दाना
¼दो पशुओं का 16 कि.ग्रा. दूध½
5.33 कि.ग्रा. दर रू. 6.00 प्रति कि.ग्रा. = 31.98 X 300
(दिन का ब्यॉत) = 9594/-